Parashurama Dhyanam

परशुरामध्यानम्

Document Information

Text title : Parashurama Dhyanam

File name : parashurAmadhyAnam.itx

Category : vishhnu, dashAvatAra, dhyAnam

Location : doc_vishhnu

Proofread by : Aruna Narayanan

Latest update : December 24, 2021

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

September 24, 2023

sanskritdocuments.org

Parashurama Dhyanam

परशुरामध्यानम्

परशुरामजी की उपासना सात्त्विक, राजस और तामस रूप में की जाती है तब छिन्नमस्ता के यन्त्र में ही उनकी पूजा होती है और परशुराम गायत्री का जप किया जाता है । यथा-

ब्रह्मक्षेत्राय विद्महे, क्षत्रियान्ताय धीमहि ।
तन्नो रामः प्रचोदयात् ।

यह परशुराम गायत्री अद्भुत है । राज्य एवं वैभव प्रदान करने वाली है । इसके ऋषि भारद्वाज, छन्द गायत्री, देवता श्री परशुराम हैं । इनका सात्त्विक ध्यान इस प्रकार है-

सात्त्विकं श्वेतवर्णं च भस्मोद्धूलितविग्रहम् ।
अग्निहोत्रस्थलासीनं नानामुनिगणावृतम् ।
कम्बलासनमारूढं स्वर्णतारकुशाङ्गुलिम् ।
श्वेतवस्त्रद्वयोपेतं जुह्वन्तं राममाश्रये ॥

इति रुद्रयामले तन्त्रे परशुरामध्यानं सम्पूर्णम् ।

Proofread by Aruna Narayanan

Parashurama Dhyanam
pdf was typeset on September 24, 2023

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*